Chaudhary Charan Singh University, Meerut

NEP-2020

UG COURSES

Applicable only on conventional BA/BSc/BCom

From session 2021-22 onwards

Divided in 3 Years of 6 semesters

Sem-1

- Major 1, 2 and 3 (Major 3rd may be from own or other faculty) 3*6= 18 credit
- 1 skill development course 3 credit
- 1 co-curricular course (qualifying)
- 1 Minor course (if not to be opted in second sem) 4 credit
- Total 21 or 25 credits

Sem-2

- Major 1, 2 and 3 (3*6= 18 credit)
- 1 skill development course (3 credit)
- 1 co-curricular course
- 1 Minor course (if not opted in first sem) 4 credit
- Total 21 or 25 credits

Sem-3

- Major 1, 2 and 3 (3*6= 18 credit)
- 1 skill development course (3 credit)
- 1 co-curricular course (qualifying)
- 1 Minor course (if not to be opted in fourth sem) (4 credit)
- Total 21 or 25 credits

Sem-4

- Major 1, 2 and 3 (3*6= 18 credit)
- 1 skill development course (3 credit)
- 1 co-curricular course (qualifying)
- 1 Minor course (if not opted in third sem) (4 credit)
- Total 21 or 25 credits

Sem-5

- Major 1 and 2 – 2 paper each (2*2*5= 20 credit)
- 1 Research Project (qualifying)
- 1 co-curricular course (qualifying)
- Total 20 credits

Sem-6

- Major 1 and 2 – 2 paper each (2*2*5= 20 credit)
- 1 Research Project (qualifying)
- 1 co-curricular course (qualifying)
- Total 20 credit

माइनर विषय कैसे चुनें

- या तो थर्ड मेजर अथवा माइनर किसी अन्य संकाय से लिया जाना अनिवार्य है
- मेजर और माइनर में एक ही विषय नहीं होगा
- या तो उपलब्ध माइनर कोर्सेज अथवा किसी भी 'मेजर एज माइनर' का चयन किया जा सकता है

List of Minor and skill development courses

- exam dept\nep 2 sem form\skill and minor.docx

स्किल डेवलपमेंट विषय कैसे चुनें

- वेबसाइट पर उपलब्ध सूची में से कोई भी स्किल डेवलपमेंट विषय जो महाविद्यालय में पढ़ाया जा रहा है, चुना जा सकता है

को-करिकुलर विषय

I SEM.	FOOD NUTRITION AND HYCIENE	Z010101T
II SEM.	FIRST AID AND HEALTH	Z020201
III SEM.	HUMAN VALUES AND ENVIRONMENT STUDIES	Z030301
IV SEM.	PHYSICAL EDUCATION AND YOGA	Z040401
V SEM.	ANALYTIC ABILITY AND DIGITAL AWARENESS	Z050501
VI SEM.	COMMUNICATION SKILLS AND PRSONALITY DEVELOPMENT	Z060601

विषय कोड

- मेजर विषय A/ B अथवा C से प्रारंभ
- माइनर विषय Q से प्रारंभ
- स्किल डेवलपमेंट विषय V से प्रारंभ
- को करिकुलर विषय Z से प्रारंभ

मेजर विषय

- प्रथम से चतुर्थ सेम तक 3 तथा 5th और 6th सेम में 2 मेजर विषय चुनने होंगे
- 25 अंक का आंतरिक मूल्याङ्कन (कोई मिनिमम पासिंग मार्क्स नहीं)
- 75 अंक की विश्वविद्यालय परीक्षा (25 अंक मिनिमम पासिंग मार्क्स)
- आंतरिक मूल्याङ्कन+ विश्वविद्यालय परीक्षा में कम से कम 33% लाने पर उत्तीर्ण
- प्रैक्टिकल विषय में फेल होने पर केवल प्रैक्टिकल की back paper परीक्षा
- theory में फेल होने पर केवल theory की back paper परीक्षा
- आंतरिक मूल्याङ्कन की back paper परीक्षा अनुमत नहीं

माइनर विषय

- केवल प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में अनिवार्य
- प्रथम अथवा द्वितीय सेम में -1
- तृतीय अथवा चतुर्थ सेम में -1
- 25 अंक का आंतरिक मूल्याङ्कन (कोई मिनिमम पासिंग मार्क्स नहीं)
- 75 अंक की विश्वविद्यालय परीक्षा (25 अंक मिनिमम पासिंग मार्क्स)
- विश्वविद्यालय परीक्षा में फेल होने पर back paper परीक्षा

माइनर विषय .....

- आंतरिक मूल्याङ्कन की back paper परीक्षा अनुमत नहीं
- आंतरिक मूल्याङ्कन+ विश्वविद्यालय परीक्षा में कम से कम 33% लाने पर उत्तीर्ण
- NCC लेने वाले छात्रों को अलग से माइनर विषय लेने की कोई आवश्यकता नहीं है
- NCC में प्राप्त ग्रेड के आधार पर equivalence समिति द्वारा अंक प्रदान किये जायेंगे
- Swayam/ MOOCS (UGC recognised) कोर्स भी अनुमत

स्किल डेवलपमेंट कोर्स

- प्रथम से चतुर्थ सेमेस्टर में एक- एक स्किल डेवलपमेंट कोर्स का चयन अनिवार्य
- परीक्षा महाविद्यालय द्वारा ही आयोजित होगी
- 80 % से अधिक अंक देने पर उत्तर पुस्तिका विश्वविद्यालय भेजना अनिवार्य
- 40% theory 60 % प्रैक्टिकल
- कोई आतंरिक परीक्षा नहीं
- फ़ेल/ अनुपस्थित होने पर back paper की व्यवस्था
- एक सेमेस्टर के साथ 2 से अधिक स्किल डेवलपमेंट कोर्स की परीक्षा अनुमत नहीं

स्किल डेवलपमेंट कोर्स .....

- Theory + practical में कम से कम 40% लाने पर उत्तीर्ण

को-करिकुलर विषय

- 1st से 6th सेम में हर एक सेम हेतु अलग- अलग को-करिकुलर विषय
- केवल qualifying in nature
- Objective type विश्वविद्यालय परीक्षा
- % अथवा ग्रेडिंग निर्धारण में कोई भूमिका नहीं नहीं
- 25 अंक का आंतरिक मूल्याङ्कन (कोई मिनिमम पासिंग मार्क्स नहीं)
- 75 अंक की विश्वविद्यालय परीक्षा (30 अंक मिनिमम पासिंग मार्क्स)
- आंतरिक मूल्याङ्कन+ विश्वविद्यालय परीक्षा में कम से कम 40% लाने पर ही उत्तीर्ण
- एक सेमेस्टर के साथ 2 से अधिक को करिकुलर विषय की परीक्षा अनुमत नहीं

प्रथम वर्ष से द्वितीय वर्ष में प्रोन्नति

- 1st से 2nd सेम. में सभी छात्र प्रोन्नत होंगे
- किन्तु तृतीय सेम में वही छात्र जायेगा जो निम्न तीन शर्तें पूर्ण करेगा-
- प्रथम शर्त- 1st और 2nd सेम मिलाकर कम से कम 23 क्रेडिट अर्जित हों अर्थात 23 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों/ विषयों में पास हो
- द्वितीय शर्त- 1st और 2nd सेम मिलाकर कम से कम 18 क्रेडिट मेजर विषय में अर्जित हों अर्थात मेजर विषयों के कम से कम 18 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों में पास हो
- तृतीय शर्त- 1st अथवा 2nd किसी एक सेम में 18 से अधिक क्रेडिट के प्रश्नपत्रों/ विषयों में फ़ेल न हो

Back paper rules

- No grace marks
- ऐसे छात्र जो उपर्युक्त तीनों शर्तें पूर्ण कर तृतीय सेमेस्टर में प्रोन्नत होते हैं, को तृतीय सेम के साथ प्रथम सेम के अधिकतम 18 क्रेडिट के विषयों में अंक सुधार अथवा back paper की सुविधा उपलब्ध होगी
- इसी प्रकार चतुर्थ सेम के साथ द्वितीय सेम के अधिकतम 18 क्रेडिट के विषयों में अंक सुधार अथवा back paper की सुविधा उपलब्ध होगी
- एक सेम के साथ अधिकतम 2 स्किल डेवलपमेंट कोर्स तथा अधिकतम 2 को-करिकुलर कोर्स की परीक्षा ही दी जा सकती है

सेमेस्टर रिपीट/ फेल

- ऐसे छात्र जो उपर्युक्त 3 शर्तें पूर्ण नहीं कर पते हैं, को तृतीय सेम का परीक्षा फॉर्म भरने का अधिकार नहीं होगा
- ऐसे छात्रों को पुनः प्रथम/द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भर अनुत्तीर्ण विषयों में उत्तीर्ण होना होगा
- किसी एक वर्ष को उत्तीर्ण करने हेतु अधिकतम 3 वर्ष का समय उपलब्ध होगा

द्वितीय वर्ष से तृतीय वर्ष में प्रोन्नति

- 3rd से 4th सेम. में सभी छात्र प्रोन्नत होंगे
- किन्तु पंचम सेम में वही छात्र जायेगा जो निम्न चार शर्तें पूर्ण करेगा-
- प्रथम शर्त- प्रथम वर्ष (1st और 2nd सेम मिलाकर) के सभी 46 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों/ विषयों में पास हो
- द्वितीय शर्त- 3rd और 4th सेम मिलाकर कम से कम 23 क्रेडिट अर्जित हों अर्थात 23 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों/ विषयों में पास हो
- तृतीय शर्त- 3rd और 4th सेम मिलाकर कम से कम 18 क्रेडिट मेजर विषय में अर्जित हों अर्थात मेजर विषयों के कम से कम 18 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों में पास हो
- चतुर्थ शर्त- 3rd और 4th किसी एक सेम में 18 से अधिक क्रेडिट के प्रश्नपत्रों/ विषयों में फ़ेल न हो

Back paper rules

- ऐसे छात्र जो उपर्युक्त चारों शर्तें पूर्ण कर पंचम सेमेस्टर में प्रोन्नत होते हैं, को पंचम सेम के साथ तृतीय सेम के अधिकतम 18 क्रेडिट के विषयों में अंक सुधार अथवा back paper की सुविधा उपलब्ध होगी
- इसी प्रकार षष्ठ सेम के साथ चतुर्थ सेम के अधिकतम 18 क्रेडिट के विषयों में अंक सुधार अथवा back paper की सुविधा उपलब्ध होगी
- तृतीय वर्ष (4 and 5 sem) के छात्रों को प्रथम वर्ष (फर्स्ट and सेकंड सेम) के प्रश्नपत्रों/ विषयों की back paper परीक्षा देना अनुमत नहीं होगा
- एक सेम के साथ अधिकतम 2 स्किल डेवलपमेंट कोर्स तथा अधिकतम 2 को-करिकुलर कोर्स की परीक्षा ही दी जा सकती है

सेमेस्टर रिपीट/ फेल

- ऐसे छात्र जो उपर्युक्त 4 शर्तें पूर्ण नहीं कर पते हैं, को पंचम सेम का परीक्षा फॉर्म भरने का अधिकार नहीं होगा
- ऐसे छात्रों को पुनः 3rd/ 4th सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भर अनुत्तीर्ण विषयों में उत्तीर्ण होना होगा
- एक बार **उत्तीर्ण करने के पश्चात् दोबारा उस विषय की परीक्षा देना अनिवार्य नहीं होगा**
- किसी एक वर्ष को उत्तीर्ण करने हेतु अधिकतम 3 वर्ष का समय उपलब्ध होगा

How grading is done?

लेटर ग्रेड	विवरण	अंकों की सीमा	ग्रेड पॉइंट
O	Outstanding	91-100	10
A+	Excellent	81-90	9
A	Very good	71-80	8
B+	Good	61-70	7
B	Above Average	51-60	6
C	Average	41-50	5
P	Pass	33-40	4
F	Fail	0-32	0
AB	Absent	Absent	0
Q	Qualified		
NQ	Not Qualified		